www.summerexpress.in

समर एक्सप्रेस

R.N.I NO. CHMUL/25/A1155

सूर्योदय सुबह 5:25 बजे
सूर्यास्त शाम 7:23 बजे

• साल-1 • अंक-263 • पृष्ठ-8 • मूल्य-5 रुपये • शुक्रवार 29 मई 2026 • चंडीगढ़ • पंजाब • हरियाणा • हिमाचल • ग्रुप एडिटर : अर्शदीप सिंह समर

न्यूज़ ब्रीफ

लुधियाना में मजदूर बना करोड़पति, 3 करोड़ जीते

लुधियाना। लुधियाना में कपड़ों की सिलाई (टेलरिंग) का काम करने वाले एक साधारण से युवक की किस्मत रातो-रात बदल गई। मूल रूप से बिहार के पश्चिमी चंपारन जिले के रहने वाले दिनेश कुशवाहा करोड़पति बन गए हैं। दिनेश ने सिक्किम स्टेट लॉटरी में पूरे 3 करोड़ रुपये का इनाम जीता है। दिनेश कुशवाहा पिछले करीब 15 सालों से लगातार अपनी किस्मत आजमा रहे थे और नियमित रूप से लॉटरी का टिकट खरीद रहे थे। बीते 16 मई को सिक्किम स्टेट लॉटरी का ड्रॉ निकाला गया था, जिसमें दिनेश के टिकट नंबर 999327 ने पहला इनाम यानी 3 करोड़ रुपये का बंपर जैकपॉट अपने नाम किया। उनका ढोल-नगाड़ों और फूलों के हार पहनाकर जोरदार स्वागत किया गया।

पंजाब निकाय चुनाव के नतीजे आज

चंडीगढ़। पंजाब में हाल ही में संपन्न हुए नगर निकाय चुनावों के नतीजे 29 मई को घोषित किए जाएंगे। इन परिणामों को राज्य की शहरी राजनीति का सेमीफाइनल माना जा रहा है, जिस पर सभी प्रमुख राजनीतिक दलों की निगाहें टिकी हुई हैं। मतगणना आठ बजे शुरू होगी। मतगणना के लिए कड़े सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं। 8 नगर निगमों, 75 नगर परिषदों और 20 नगर पंचायतों की मतगणना के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। चुनाव में आम आदमी पार्टी, कांग्रेस, भारतीय जनता पार्टी और शिरोमणि अकाली दल के बीच सीधा मुकाबला देखने को मिला है। कई नगर निगमों और नगर परिषदों में कड़ा त्रिकोणीय संघर्ष सामने आया है, जिससे परिणाम बेहद रोमांचक होने की संभावना जताई जा रही है।

सिटीजन रिपोर्टर

अब आप भी बन सकते हैं समर एक्सप्रेस के सिटीजन रिपोर्टर। अपने इलाके की कोई भी समस्या, आयोजन, जानकारी या खबर हमें भेजें। आपके नाम के साथ प्रकाशित की जाएगी। अपनी खबर इस फोन नंबर 7986630191 या ईमेल infosummerexpress@gmail.com पर भेजें।

BOOK YOUR ADVERTISEMENT

If you want to publish your advertisement on our newspaper

समर एक्सप्रेस

CONTACT: +91 6283 860 059

ईद-उल-अजहा पर पंजाब, चंडीगढ़ समेत देशभर में शांतिपूर्ण ढंग से अदा की गई नमाज

समर न्यूज़ | चंडीगढ़

देशभर में वीरवार को ईद-उल-अजहा (बकरीद) का पर्व श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। पंजाब, चंडीगढ़ समेत उत्तर भारत के कई राज्यों में मुस्लिम समुदाय के लोगों ने सुबह से ही मस्जिदों और ईदगाहों में पहुंचकर ईद की नमाज अदा की।

चंडीगढ़, लुधियाना, अमृतसर, जालंधर और पटियाला जैसे शहरों में ईदगाहों पर बड़ी संख्या में लोग जुटे। सुबह करीब 6 बजे विशेष नमाज अदा की गई, जिसके बाद लोगों ने एक-दूसरे को गले लगाकर मुबारकबाद दी। धार्मिक नेताओं ने इस मौके पर समाज में अमन, भाईचारे और आपसी सौहार्द को मजबूत करने का संदेश दिया।

उन्होंने कहा कि ईद-उल-अजहा त्याग और इंसानियत की सीख देता है। प्रमुख ईदगाहों और संवेदनशील इलाकों में पुलिस बल की तैनाती रही और पूरे कार्यक्रम पर नजर रखी गई।

बच्चों ने गले लगाकर दी बधाई

इस मौके पर बच्चों ने एक-दूसरे को गले लगाकर बधाई दी। दिल्ली, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार और अन्य राज्यों में भी ईद-उल-अजहा धूमधाम से मनाई गई। लोगों ने मस्जिदों में नमाज के बाद कुर्बानी की रस्म निभाई। स्थानीय प्रशासन और सामाजिक संगठनों ने भी लोगों से आपसी एकता बनाए रखने की अपील की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित देश के कई बड़े नेताओं ने देशवासियों को ईद की बधाई दी।

भाजपा ने चार प्रदेश अध्यक्ष बदले, पंजाब में ढिल्लों, हरियाणा में अर्चना को कमान

चुनावी रणनीति के तहत हाईकमान का फैसला, कई राज्यों में नई जिम्मेदारियां सौंपी गईं

एजेंसी | नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने संगठनात्मक स्तर पर बड़ा बदलाव करते हुए चार राज्यों के प्रदेश अध्यक्ष बदल दिए हैं। पार्टी हाईकमान के इस फैसले को आगामी चुनावों की रणनीति और संगठन को अधिक सक्रिय बनाने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है। पंजाब में केवल सिंह ढिल्लों को जिम्मा दिया गया है। दिल्ली में वीरेंद्र सचदेवा की जगह केंद्रीय मंत्री हर्ष मल्होत्रा को कमान सौंपी गई है। हरियाणा में अर्चना गुप्ता और अभिषेक देबरॉय को त्रिपुरा के प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई है। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने केंद्रीय राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा, भारतीय जनता पार्टी दिल्ली प्रदेश का अध्यक्ष नियुक्त किया है। उनकी नियुक्ति तत्काल प्रभाव से लागू होगी। जिन राज्यों में बदलाव किए गए हैं, वहां नए चेहरों को संगठन की कमान सौंपी गई है ताकि जमीनी स्तर पर पार्टी को और मजबूत किया जा सके। पार्टी नेतृत्व का मानना है कि नए अध्यक्षों से संगठन में नई ऊर्जा आएगी और बूथ स्तर तक कार्यकर्ताओं की सक्रियता बढ़ेगी। भाजपा की ओर से कहा गया है कि यह बदलाव नियमित संगठनात्मक प्रक्रिया का हिस्सा है और इसका उद्देश्य विभिन्न राज्यों में राजनीतिक परिस्थितियों के अनुसार नेतृत्व को मजबूत करना है। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि भाजपा का यह कदम 2026-27 के चुनावी समीकरणों को ध्यान में रखकर उठाया गया है, जिसमें स्थानीय नेतृत्व को अधिक जिम्मेदारी देकर जनसंपर्क और संगठन विस्तार पर फोकस किया जाएगा।

केवल सिंह ढिल्लों।

अर्चना गुप्ता।

हर्ष मल्होत्रा।

अभिषेक देबरॉय।

विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा ने पंजाब में पहली बार सिख चेहरे पर खेला दांव

- **विधानसभा चुनाव से पहले बड़ा संगठनात्मक बदलाव, चार साल पहले कांग्रेस छोड़ भाजपा में आए थे**
- **ढिल्लों को बड़ी जिम्मेदारी मिलने से संगठन में सिख प्रतिनिधित्व को मिला बढ़ावा**

समर न्यूज़ | चंडीगढ़

पंजाब की राजनीति में बड़ा बदलाव करते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने पहली बार राज्य इकाई की कमान एक सिख चेहरे को सौंप दी है। पार्टी हाईकमान ने केवल सिंह ढिल्लों को पंजाब प्रदेश भाजपा अध्यक्ष नियुक्त किया है। यह फैसला आगामी विधानसभा चुनावों से पहले संगठन को मजबूत करने और सिख मतदाताओं के बीच पार्टी की पकड़ बढ़ाने की रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है। सूत्रों के अनुसार ढिल्लों पिछले लगभग चार वर्षों से भाजपा में सक्रिय हैं। इससे पहले वे कांग्रेस से जुड़े रहे और पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह के करीबी माने जाते थे। कांग्रेस छोड़ने के बाद उन्होंने भाजपा में शामिल होकर मालवा क्षेत्र में पार्टी के संगठनात्मक विस्तार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

क्यों अहम है यह फैसला?

पंजाब में भाजपा लंबे समय से शहरी और सीमित क्षेत्रों तक प्रभाव रखती रही है, जबकि ग्रामीण और सिख बहुल इलाकों में पार्टी को चुनौती मिलती रही है। ऐसे में सिख चेहरे को प्रदेश अध्यक्ष बनाना भाजपा की ग्राउंड कनेक्ट रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि इससे पार्टी को 2027 विधानसभा चुनाव में ग्रामीण वोट बैंक तक पहुंच बनाने में मदद मिल सकती है।

संगठन को नई दिशा देगा फैसला

पंजाब भाजपा के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि यह फैसला संगठन को नई दिशा देगा और सभी वर्गों को साथ लेकर चलने की हमारी नीति को मजबूत करेगा। वहीं राजनीतिक विश्लेषक प्रो. हरिंदर सिंह का कहना है कि भाजपा अब पंजाब में स्थानीय नेतृत्व को प्राथमिकता देकर अपनी छवि बदलने की कोशिश कर रही है।

कांग्रेस ने कसा तंज

कांग्रेस नेताओं ने हालांकि इस फैसले पर तंज कसते हुए कहा कि यह केवल चुनावी रणनीति है, जमीन पर इसका असर सीमित रहेगा। कुल मिलाकर, भाजपा का यह कदम पंजाब की राजनीति में नए समीकरण बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण बदलाव माना जा रहा है, जिसका असर आने वाले चुनावों में साफ दिख सकता है।

पंजाब भाजपा की कमान संभालने वाले नए सिख चेहरे की पूरी कहानी

कांग्रेस से शुरू हुआ सफर भाजपा में बड़ी जिम्मेदारी

मालवा की राजनीति में मजबूत पकड़, कैप्टन अमरिंदर के करीबी रहे

समर न्यूज़ | चंडीगढ़

पंजाब की राजनीति में केवल सिंह ढिल्लों का नाम अब और प्रमुखता से उभरकर सामने आया है। भारतीय जनता पार्टी ने उन्हें पंजाब प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी है। यह पहली बार है जब भाजपा ने राज्य इकाई की कमान किसी सिख नेता को दी है, जिसे संगठनात्मक और राजनीतिक दोनों स्तर पर बड़ा कदम माना जा रहा है।

केवल सिंह ढिल्लों ने अपने राजनीतिक करियर की शुरुआत कांग्रेस पार्टी से की थी। वे लंबे समय तक पार्टी संगठन से जुड़े रहे और मालवा क्षेत्र में जमीनी स्तर पर सक्रिय राजनीति करते रहे। कांग्रेस के भीतर वे पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह के करीबी नेताओं में गिने जाते थे। संगठन में काम करते हुए उन्होंने किसानों, युवाओं और स्थानीय विकास से जुड़े मुद्दों पर अपनी पहचान बनाई।

बाद में राजनीतिक परिस्थितियों और कांग्रेस के भीतर बढ़ते मतभेदों के बीच उन्होंने पार्टी छोड़ दी। इसके बाद वे भाजपा में शामिल हो गए। भाजपा में आने के बाद उन्होंने संगठन विस्तार, बूथ स्तर पर कार्यकर्ताओं को जोड़ने और सिख समुदाय के बीच पार्टी की स्वीकार्यता बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया। धीरे-धीरे वे पार्टी नेतृत्व के भरोसेमंद नेताओं में शामिल हो गए।

राजनेता के साथ बड़े उद्यमी भी हैं ढिल्लों: केवल सिंह ढिल्लों एक बड़े उद्यमी हैं। उनका रियल एस्टेट और एग्रो बिजनेस में बड़ा नाम है। पंजाब के एक साधारण लेकिन सामाजिक रूप से सक्रिय परिवार से जुड़ा बताया जाता है। उनकी प्रारंभिक शिक्षा पंजाब में ही हुई। उन्होंने बीए तक शिक्षा हासिल की है। वे शुरू से ही सामाजिक कार्यों में रुचि रखते थे और यही वजह रही कि उन्होंने राजनीति को सेवा का माध्यम बनाया। पारिवारिक रूप से उनकी छवि एक शांत, व्यवहारिक और जमीन से जुड़े नेता की रही है। स्थानीय स्तर पर उन्हें ऐसे नेता के रूप में देखा जाता है जो लोगों से सीधे जुड़कर समस्याएं सुनते हैं।

दो बार रहे विधायक

कांग्रेस में रहते हुए ढिल्लों दो बार 2007 और 2012 में बरनाला सीट से विधायक बने। 2019 ममें वह संगरूर सीट से भगवंत मान से लोकसभा का चुनाव हार गए थे। कांग्रेस छोड़ भाजपा में शामिल होने के बाद ढिल्लों ने खासतौर पर मालवा क्षेत्र में पार्टी को मजबूत करने का काम किया। ग्रामीण क्षेत्रों में भाजपा संगठन को सक्रिय किया। सिख समुदाय के साथ संवाद बढ़ाया। बूथ स्तर पर कार्यकर्ताओं को मजबूत किया। स्थानीय मुद्दों को पार्टी मंच तक पहुंचाया। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि भाजपा का यह कदम पंजाब में अपनी पकड़ बढ़ाने की रणनीति का हिस्सा है। सिख चेहरे को प्रदेश अध्यक्ष बनाकर पार्टी ने स्पष्ट संदेश दिया है कि वह स्थानीय नेतृत्व को प्राथमिकता दे रही है।

पंजाब के लोगों का विश्वास जीतना मेरी प्राथमिकताः ढिल्लों "यह मेरे लिए सम्मान की बात है कि पार्टी ने मुझ पर भरोसा जताया है। मेरा प्रयास रहेगा कि मैं हर कार्यकर्ता को साथ लेकर चलूं और पंजाब में भाजपा को हर गांव और हर घर तक पहुंचाऊं। हम विकास, पारदर्शिता और जनता की सेवा के लिए काम करेंगे। पंजाब के लोगों का विश्वास जीतना मेरी पहली प्राथमिकता होगी। पंजाब में इस समय गुंडा राज है। मौजूदा सरकार जनता से किए वादे पूरे नहीं कर पाई है।

कर्नाटकः सिद्धारमैया का इस्तीफा, डीके शिवकुमार होंगे नए सीएम

त्यागपत्र के बाद सिद्धारमैया बोले- आलाकमान का फैसला माना, मिलजुल कर काम करेंगे, शिवकुमार ने पांव छूकर लिया आशीर्वाद

- **मंत्रिमंडल में फेरबदल की संभावना, 35 मंत्रियों में से करीब 25 हटाए जा सकते हैं, 15 से 20 नए मंत्री शामिल होना संभव**

एजेंसी | नई दिल्ली

कर्नाटक की राजनीति में बड़ा बदलाव हुआ है। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने वीरवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। इस्तीफे के बाद उन्होंने कहा- मैंने पहले ही कहा था कि जब भी हाईकमान मुझसे कहेगा, मैं इस्तीफा दे दूंगा। इसलिए कल हाईकमान ने मुझे इस्तीफा देने की बात कही। राज्य के अब जो अगले मुख्यमंत्री हैं उन्हें मौका देना चाहिए। मैंने पार्टी आलाकमान के निर्देशों का पालन किया है और संगठन का निर्णय उनके लिए सर्वोपरि है।

हम मिलजुल कर काम करेंगे। सिद्धारमैया आज दोपहर 3 बजे लोकभवन पहुंचे थे। इस दौरान उनके साथ डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार भी मौजूद थे। सिद्धारमैया ने राज्यपाल के सेक्रेटरी को इस्तीफा सौंपा है। राज्यपाल थावरचंद गहलोत पारिवारिक कारणों के चलते बेंगलुरु से बाहर हैं। इससे पहले दिन में सिद्धारमैया ने बेंगलुरु में अपने घर पर मंत्रियों के साथ ब्रेकफास्ट मीटिंग बुलाई थी। जिसमें उन्होंने सभी मंत्रियों को अपने फैसले के बारे में जानकारी दी। डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने सिद्धारमैया के पैर छुए, इसके बाद सीएम ने उन्हें गले लगा लिया। कर्नाटक सरकार में मंत्री एचके पाटिल ने बताया कि मीटिंग में डीके शिवकुमार के नाम पर मुहर लगी। वह अगले सीएम होंगे।

पार्टी के भीतर रणनीति

सूत्रों के अनुसार कांग्रेस हाईकमान राज्य में संगठनात्मक संतुलन और आगामी चुनावी रणनीति को ध्यान में रखते हुए बड़ा निर्णय लिया है। सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार दोनों ही कर्नाटक कांग्रेस के प्रमुख चेहरे रहे हैं, और दोनों के बीच सत्ता संतुलन हमेशा चर्चा में रहा है। राजनीतिक विशेषज्ञों का मानना है कि आगामी चुनावों को ध्यान में रखकर नया संतुलन साधने की कोशिश की गई है। विपक्षी दलों ने इसे कांग्रेस के अंदर अस्थिरता का संकेत बताया है, जबकि कांग्रेस नेताओं का कहना है कि यह संगठनात्मक प्रक्रिया का हिस्सा है।

सिद्धारमैया 20 मई 2023 को सीएम बने, 28 मई 2026 को इस्तीफा दिया। रोटेशन पॉलिसी के तहत उन्हें बदलने का दबाव बढ़ गया था।

पेज 1 एंकर स्टोरी

मशहूर शायर बशीर बद्र का निधनः उर्दू अदब की एक बड़ी आवाज खामोश

अलविदा... न जाने किस गली में जिंदगी की शाम हो जाए

- **चाहने वालों की यादों में रह गए शेर और मुशायरे**

एजेंसी | भोपाल

"उजाले अपनी यादों के हमारे साथ रहने दो,
न जाने किस गली में जिंदगी की शाम हो जाए।"

ऐसे न जाने कितने ही यादगार शे'र कह कर दुनियाभर के लोगों के दिलों में जगह बनाने वाले प्रसिद्ध उर्दू शायर बशीर बद्र का वीरवार को 91 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। उनके निधन की खबर से साहित्य और शायरी की दुनिया में शोक की लहर दौड़ गई।

बशीर बद्र अपनी सरल लेकिन गहरी शायरी के लिए जाने जाते थे, जिन्होंने आम इंसान की भावनाओं को शब्दों में ढालकर उर्दू अदब को नई पहचान दी। उनके शेर आज भी मुशायरों और साहित्यिक महफिलों में गूंजते हैं। जानकारी के अनुसार, अपने अंतिम वर्षों में वे याददाश्त से जुड़ी समस्याओं से जूझ रहे थे। परिवार और करीबियों के मुताबिक, उनकी स्मृति कमजोर हो चुकी थी, लेकिन मुशायरे और शायरी का जिक्र आते ही वे पुराने अंदाज में इरशाद-इरशाद कहने लगते थे। स्वास्थ्य खराब होने के कारण वे सार्वजनिक कार्यक्रमों से दूर हो गए थे, लेकिन उनके चाहने वालों के बीच उनकी लोकप्रियता लगातार बनी रही।

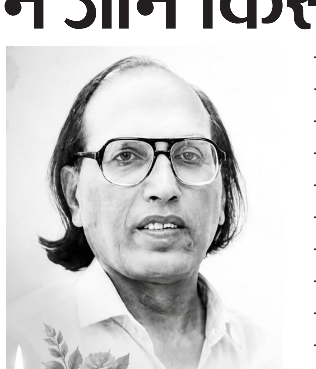

उनके निधन की खबर मिलते ही साहित्यकारों, शायरों और उनके प्रशंसकों ने गहरा दुख व्यक्त किया है। सोशल मीडिया पर लोग उनके प्रसिद्ध शेर साझा कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। बशीर बद्र की शायरी आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बनी रहेगी। उनके शेर न सिर्फ प्रेम और संवेदना को व्यक्त करते हैं, बल्कि जीवन की सच्चाइयों को भी सरल भाषा में सामने रखते हैं। उनका जाना उर्दू अदब के लिए एक बड़ी क्षति माना जा रहा है, जिसकी भरपाई आसान नहीं होगी।

शायरी से पहले पुलिस की नौकरी

शायरी से पहले पुलिस की नौकरी

क़रीब 15-16 साल की उम्र में उनके वालिद का इंतिक़ाल हो गया था। मजबूरन उन्होंने पुलिस की नौकरी ज्वॉइन कर ली। मगर शायरी से इश्क़ बरक़रार रहा। इस दौरान उन्हें तरक़्क़ी की पेशकश हुई, लेकिन उन्होंने इन्कार कर दिया और एक यादगार शे'र कह दिया-

"बड़े लोगों से मिलने में हमेशा फ़ासला रखना
दरिया जहां समंदर से मिला, दरिया नहीं रहता।"

मेरठ के दंगों ने बदला उनकी जिंदगी का रुख

1987 के मेरठ दंगों में उनका घर जला दिया गया। यह हादसा उनके लिए बेहद तकलीफदेह था।

इस हादसे के बाद उन्होंने भोपाल को अपना ठिकाना बना लिया और यहीं के होकर रह गए।

इस दर्द को उन्होंने अपने अशआर में समेटा-

लोग टूट जाते हैं एक घर बनाने में
तुम तरस नहीं खाते बस्तियां जलाने में।

सियासी हलक़ों और मुशायरों में गूंजते रहे शेर

उनकी शायरी महज हुस्न और इश्क तक महदूद नहीं रही। समाजी मुद्दों पर भी उन्होंने बेबाकी से लिखा। मुल्क के बंटवारे के दर्द को उन्होंने इस तरह बयान किया-

"दुश्मनी जम कर करो लेकिन ये गुंजाइश रहे; जब कभी हम दोस्त हो जाएं तो शर्मिंदा न हों।"

ये शेर उन्होंने शिमला समझौते के मौके पर पढ़ा था। फिर जब उन्हें पाकिस्तान से मुशायरे का बुलावा मिला, तो वहां भी यही शे'र पढ़ा और महफिल में सन्नाटा छा गया।

निलंबित डीआईजी भुल्लर के 26 बैंक खाते फ्रीज

आईएएस-आईपीएस अधिकारियों से होगी पूछताछ

जांच पूरी होने तक नहीं निकाल सकेंगे पैसे, आय से अधिक संपत्ति की जांच तेज

समर न्यूज़ | चंडीगढ़

पंजाब में निलंबित डीआईजी रैंक के अधिकारी भुल्लर के खिलाफ चल रही जांच अब और सख्त हो गई है। जांच एजेंसियों ने उनके 26 बैंक खातों को फ्रीज कर दिया है। इन खातों में जमा रकम और लेनदेन को लेकर कई संदिग्ध गतिविधियों की जांच की जा रही है। अधिकारियों के मुताबिक, जांच पूरी होने तक इन खातों से किसी भी तरह की निकासी या ट्रांजेक्शन पर रोक रहेगी।

सूत्रों के अनुसार, यह कार्रवाई आय से अधिक संपत्ति और पद के दुरुपयोग से जुड़े मामलों की जांच के दौरान सामने आए नए डिजिटल सबूतों के बाद की गई है। जांच एजेंसियों को कुछ ऐसे बैंक ट्रांजेक्शन और संपत्ति निवेश के दस्तावेज मिले हैं, जो उनकी घोषित आय से मेल नहीं खाते। इसके बाद जांच का दायरा और बढ़ा दिया गया है।

कई और अधिकारियों से भी पूछताछ की तैयारी

जांच एजेंसियों ने अब पंजाब के कुछ आईएएस और आईपीएस अधिकारियों को भी पूछताछ के दायरे में लाने की तैयारी शुरू कर दी है। माना जा रहा है कि इन अधिकारियों से कुछ प्रशासनिक फैसलों, फाइल मूवमेंट और संदिग्ध मंजूरी से जुड़े सवाल पूछे जा सकते हैं। हालांकि अभी तक किसी अधिकारी का नाम आधिकारिक रूप से सामने नहीं आया है। पुलिस और विजिलेंस ब्यूरो के सूत्रों का कहना है कि कुछ वित्तीय फाइलों और ट्रांसफर पोस्टिंग से जुड़े मामलों में भी संदिग्ध कनेक्शन मिले हैं, जिनकी गहन जांच की जा रही है।

यह है मामला?

सूत्रों के अनुसार, यह मामला तब गहराया जब जांच में सामने आया कि अधिकारी के नाम पर विभिन्न राज्यों में संपत्तियां खरीदी गईं और कुछ निवेश ऐसे माध्यमों से किए गए जिनका सीधा संबंध घोषित आय से नहीं जुड़ता। इसके बाद वित्तीय जांच टीम ने बैंकिंग डेटा, संपत्ति रजिस्ट्रेशन और डिजिटल ट्रेल का विश्लेषण शुरू किया। जांच अभी शुरुआती चरण में है, लेकिन कई लेनदेन संदिग्ध पाए गए हैं। आने वाले दिनों में और बड़े खुलासे हो सकते हैं। जांच एजेंसियों का कहना है कि आने वाले दिनों में और बैंक खातों और संपत्तियों की जांच की जा सकती है।